MSW-001
MSW-002
MSW-005
MSW-003
MSW-004
MSW-006
MSWE-010
MSW-032

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2024–2025

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू.–003	:	आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पनाएं
एम.एस.डब्ल्यू.–004	:	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास
एम.एस.डब्ल्यू.–006	:	समाज कार्य अनुसंधान
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–010	:	अफ्रीका के संदर्भ में समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू–032	:	समाज कार्य और आपराधिक न्याय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2024 सत्र – 31 मार्च,2025

जनवरी,2025 सत्र – 30 सितम्बर,2025

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (प्रथम वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य और आपराधिक न्याय (एम.एम.डब्ल्यू.–032)

पाठ्यक्रम कोडः एम.एम.डब्ल्यू.–032
अधिकतम अंक : 100

नोट : i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें।
ii) उत्तर लगभग **300 शब्दों** में दीजिए।
iii) **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।

1. अपराध के आवश्यक तत्व क्या हैं? आपराधिक न्यायशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा करें। 20

2. किशोर अपराध के संबंध में अपराध विज्ञान के पारिस्थितिक स्कूल का महत्वपूर्ण योगदान क्या है? 20

3. भारतीय दंड संहिता, 1860 की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा करें। 20

4. भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली के ऐतिहासिक विकास का पता लगाएँ। 20

5. भारतीय संदर्भ में आपराधिक न्याय की एजेंसी के रूप में पुलिस की व्याख्या करें। 20

6. निर्दोषता की धारणा भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली की आधारशिला है। विस्तार से चर्चा करें। 20

7. आरोप तय करने से आपका क्या अभिप्राय है? भारत में आपराधिक न्याय प्रक्रिया में इसके महत्व पर चर्चा करें। 20

8. भारत में कैदियों के अधिकारों को आगे बढ़ाने में विधायिका और न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा करें। 20